Psychopath

Psycho-Somatic disorder:
(मनोदैहिक विकृति) (A)

Ques ⇒ Write short notes on 'Peptic ulcer'. ("आंतों का घाव" पर एक संक्षिप्त नोट लिखें।)

⇒ Peptic ulcer (आंतो का घाव) एक प्रकार की मनोदैहिक - अमाशयान्त्र विकृति है। इसरोग में प्रायः अमाशय की दिवारों के ऊपरी स्तर में घाव हो जाता है। यह घाव छोटी अमाशय के ऊपरी भाग में अधिक होता है इसका लक्षण यह है कि खाना खाने के करीब एक दो घंटे बाद पेट में दर्द होना शुरू हो जाता है। दर्द के साथ प्रायः उल्टी भी हो सकता है। रोग की गंभीरता बढ़ने पर इसमे रक्तस्राव भी हो सकता है। आधुनिक युग मे इस प्रकार के रोग अधिक हुआ करता है क्योंकि यह युग चिन्ता, कलह, संवेगात्मक तनाव, अन्तर्द्वन्द का युग है यद्यपि इसका लक्षण स्पष्ट रूप से शारीरिक होता है फिर भी इसके मनोवैज्ञानिक कारण भी होते है। इसके आंगिक कारण भी होते है। इन आंगिक तत्वों में अमाशय रस (mucus, pepsin and hydrochloric Acid) का स्राव बहुत महत्वपूर्ण है। दीर्घकालिक संवेगात्मक तनाव और इससे संलग्न स्वतः संचालित स्नायुमंडल की क्रिया इस स्नायु को प्रभावित करती है जो अमाशयरस के स्राव तथा कार्य को नियंत्रित करता है। इस प्रकार संवेगात्मक द्वन्द्व प्रत्यक्ष रूप से अमाशयात्र क्षेत्र को प्रभावित करता है जिसके कारण peptic ulcers (आँत के घाव)

का जन्म होता है। J.V. Brady (1958) ने बंदरो पर प्रयोग करके यह प्रमाणित कर दिया है कि दीर्घकालिक संवेगात्मक तनाव के कारण आँत मे घाव होता है। इसीतरह Hagler - Peterson (1958) ने अध्ययनोपरान्त पाया कि यह रोग उन मनुष्यों तथा पशुओं मे अधिक होता है, जिसमें प्रतियोगिता की भावना काफी अधिक होती है तथा साथ ही साथ जो अपने आप को हमेशा किसी न किसी कार्य मे व्यस्त रखते है। ऐसे रोगी ऊपर से देखने मे क्रियाशील, कुशल, स्वावलम्बी आदि प्रतित होते है। लेकिन वास्तव मे उनके व्यवहारों के पीछे उनकी निष्क्रियता, पराश्रयता, बचपना आदि छिपी रहती है परन्तु, चेतन रूप से वे इसे स्वीकार करने के लिए तैयार नही होते है। इस तरह के लोग अपने बारे मे प्रायः गलत चित्र प्रस्तुत करते है। इसके कारण उनमे द्वन्द्व, दोष-भाव तथा हीनभावना का विकास हो जाता है वे और वे संवेगात्मक तनाव से घिर जाते है। फलतः उनकी आँतो मे घाँव हो जाता है इस तरह हम देखते है कि Peptic ulcer एक शारिरीक रोग है जिसका कारण मानसिक होता है।

Psycho - मानसिक | Somatic - शारीरिक)